भारत सरकार | लोक सभा
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय | अतारांकित प्रश्न सं. 1319
वाणिज्य विभाग

दिनांक 11 फरवरी, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

भारत में चाय बागानों की स्थिति

1319. श्री मनोज तिग्गा:

क्या **वाणिज्य और उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में चाय बागानों की राज्यवार कुल संख्या कितनी है और इनका ब्यौरा क्या है;

(ख) देश में वर्तमान में कार्यरत चाय बागानों की राज्यवार कुल संख्या कितनी है;

(ग) देश में रुग्ण अथवा कमजोर चाय बागानों की राज्यवार संख्या कितनी है;

(घ) देश में रुग्ण अथवा कमजोर के रूप में वर्गीकृत चाय बागानों की संख्या और उनका राज्यवार ब्यौरा क्या है;

(ङ) देश में बंद पड़े चाय बागानों की राज्यवार संख्या कितनी है;

(च) विगत दस वर्षों के दौरान देश में बंद हुए चाय बागानों की कुल संख्या का राज्यवार ब्यौरा क्या है;

(छ) बंद, रुग्ण अथवा कमजोर चाय बागानों के लिए सरकार द्वारा की गई पहलों का राज्यवार ब्यौरा क्या है; और

(ज) देश में बंद, रुग्ण या कमजोर चाय बागानों के उत्थान, पुनरुद्धार और सहायता के लिए सरकार द्वारा की गई पहलों और उठाए गए कदमों का राज्यवार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री जितिन प्रसाद)

(क) और (ख): देश में कुल चाय बागानों और वर्तमान में कार्यरत बागानों का ब्यौरा (राज्यवार) अनुबंध-I में संलग्न है।

(ग) और (घ): चाय अधिनियम, 1953 के अनुसार रुग्ण चाय बागानों के लिए कोई विशिष्ट परिभाषा नहीं है। चाय बोर्ड द्वारा किसी बागान को संबंधित राज्य सरकार से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर बंद माना जाता है।

(ङ): वर्तमान में, देश में 16 चाय बागान (पश्चिम बंगाल में 13 और केरल में 3) बंद हैं।

(च): पिछले दस वर्षों के दौरान देश में बंद चाय बागानों का विवरण (राज्यवार) अनुबंध-II में संलग्न है।

(छ) और (ज): बागानों के बंद होने के मुख्य कारण कम उत्पादकता और श्रमिकों से जुड़ी समस्याएं हैं। चूंकि श्रमिकों से जुड़े मुद्दे संबंधित राज्य सरकारों के अधिकार क्षेत्र में हैं, केंद्र सरकार चाय बोर्ड के माध्यम से 'चाय विकास और संवर्धन योजना' को लागू करती है, जिसका उद्देश्य *अन्य बातों के साथ*-साथ चाय की उत्पादकता और गुणवत्ता बढ़ाना और कल्याणकारी उपाय करना है, जिसके तहत प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित बंद टी एस्टेट्स और बागानों के श्रमिकों के बच्चों को पुस्तक और वर्दी प्रदान करने और बंद चाय बागानों में श्रमिकों के दिव्यांग और गंभीर रूप से बीमार आश्रितों (गुर्दे, हृदय, यकृत रोग और कैंसर) के लिए सहायता प्रदान करने का प्रावधान है।

दिनांक 11.02.2025 को उत्तर हेतु लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1319 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध

क्र. सं.	राज्य	चाय बागानों की संख्या*	कार्यरत चाय बागानों की संख्या
1	असम	762	762
2	पश्चिम बंगाल	449	436
3	त्रिपुरा	52	52
4	अरुणाचल प्रदेश	30	30
5	हिमाचल प्रदेश	15	15
6	बिहार	7	7
7	उत्तराखंड	6	6
8	मेघालय	2	2
9	मणिपुर	1	1
10	मिजोरम	1	1
11	नागालैंड	1	1
12	सिक्किम	1	1
13	तमिलनाडु	129	129
14	केरल	95	92
15	कर्नाटक	16	16
18	**कुल योग**	**1567**	**1551**

स्रोत: टी बोर्ड

***वर्ष 2022 में चाय बोर्ड द्वारा किए गए बेसलाइन सर्वेक्षण के अनुसार।**

अनुबंध-II

दिनांक 11.02.2025 को उत्तर हेतु लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1319 के भाग (च) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध

क्रम सं.	चाय बागान का नाम	राज्य	बंद होने की तिथि	क्या वर्तमान में बंद है
1	कोट्टमाला और बोनामी	केरल	11.10 2014	हाँ
2	बोनाकोर्ड	केरल	05.03.2015	हाँ
3	पीरमेड और लोनट्री	केरल	01.04.2016	हाँ
4	मधु	पश्चिम बंगाल	23.09.2014	नहीं
5	पानीघाटा		10.10.2015	हाँ
6	मनबारी		21.03.2016	नहीं
7	जॉयबिरपारा		23.03.2016	नहीं
8	कुमलाई		15.11.2015	नहीं
9	रहीमाबाद		05.01.2016	नहीं
10	डूटेरिया		09-06-19	हाँ
11	ढेकलापारा		11.03.2016	हाँ
12	लंकापारा		--	हाँ
13	रायपुर		12.09.2016	हाँ
14	कलेज घाटी		09.06.2019	नहीं
15	पेशोक		09.06.2019	नहीं
16	रुंगमूक / सीडर्स		24.04.2023	हाँ
17	मून्दाकोटी		24.09.2023	हाँ
18	चोंगटोंग		28.09.2023	हाँ
19	नगरी		28.09.2023	हाँ
20	अम्बूटिया		10.10.2023	हाँ
21	रायमातांग		11.10.2023	नहीं
22	डाल्मोर		15.10.2023	नहीं
23	दलसिंगपारा		15.10.2023	हाँ
24	सामसिंग		16.10.2023	नहीं
25	कलचीनी		01.11.2023	नहीं
26	रामझोरा		01.11.2023	हाँ
27	बामनडांगाटोंड्र		08.12.2023	नहीं
28	सोनाली		30.12.2023	हाँ

स्रोत: टी बोर्ड

* उपर दिए गए 28 चाय बागानों में से 12 पुन: खोले गए हैं ।

***